TDC SYLLABUS FOR (टी. डी. सी. पाठ्यक्रम)

HINDI (हिन्दी)

(Modern Indian Language)

आधुनिक भारतीय भाषा

Arts (कला) / Commerce (वाणिज्य) / Science (विज्ञान)

(A) MIL (HINDI)

T.D.C 3rd Semester 301 : Hindi Bhasha Aur Rachna

4th Semester 401 : Hindi Aur Uski Pramukh Vidhayein

(B) ELECTIVE HINDI (PASS COURSE)

1st Sem : 101 Hindi Sahitya Ka Itihas Aur Hindi Bhasha

2nd Sem : 201 Adikaleen Evam Nirgun Bhakti Kavya.

3rd Sem : 301 Gadya Sahitya

4th Sem : 401 Sagun Bhakti Kavya

5th Sem : 501 Reeti Kavya

6th Sem : 601 Adhunik Kavita (Chhayawad Tak)

(C) HINDI HONOURS

1st Sem : 101 Hindi Sahitya Ka Itihas (Adikal)
102 Katha Sahitya
103 Hindi Bhasha ka Swaroop

2nd Sem : 201 Adikaleen Kavya
202 Nibandha, Natak Aur Ekanki
203 Kavya Sidhhant

3rd Sem : 301 Hindi Sahitya Ka Itihas (Madhyakal)
302 Nirgun Bhakti Kavya
303 Rekhachitra, Sansmaran Aur Reportaj

4th Sem : 401 Reeti Kavya
402 Sagun Bhakti Kavya
403 Bhasha Vigyan

5th Sem : 501 Hindi Sahitya Ka Itihas (Adhunik Kavya)
502 Adhunik Kavita (Chhayawad Tak)
503 Chhayawadottar Kavita

6th Sem : 601 Samkaleen Kavita (1960 ke bad)
602 Swatantrayottar Katha Sahitya
603 Hindi Alochana

3rd SEMESTER

टी. डी. सी. तृतीय सेमेस्टर

301 : HINDI BHASHA AUR RACHANA

हिंदी भाषा और रचना

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

इकाई एक : निबंध लेखन 10 अंक

दिए हुए सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, राजनैतिक, वैज्ञानिक, आर्थिक विषयों से संबंधित निबंधो से किसी एक विषय पर निबंध लिखना।

इकाई दो : **औपचारिक पत्राचार** 10 अंक

अ - औपचारिक पत्राचार का अर्थ और महत्व। औपचारिक पत्राचार के प्रमुख अंग तथा औपचारिक पत्र लेखन की विशेषताएँ।

ब - प्रमुख प्रशासनिक पत्रों की विशेषताएँ और उनके प्रारूप : आवेदन पत्र, सूचना, स्मरणपत्र, कार्यालय आदेश, कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र, अधिसूचना, अर्धशासकीय पत्र एवं निविदा।

स - प्रमुख वाणिज्यिक पत्र उनकी विशेषताएँ और उनके प्रारूप : पूछताछ के पत्र, कोटेशन पत्र, आदेशपत्र, शिकायती पत्र।

इकाई तीन - पारिभाषिक शब्दावली 10 अंक

पारिभाषिक शब्दावली : परिभाषा, विशेषताएँ एवं प्रकार। परिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रवृत्तियाँ। परिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धान्त। कार्यालय, बैंक, वाणिज्य एवं प्रशासन में बहुप्रचलित अंग्रेजी पारिभाषिक शब्दावली एवं वाक्यांशों के हिंदी पर्याय।

इकाई चार - संक्षेपण एवं पल्लवन 10 अंक

अ - संक्षेपण की अवधारणा एवं अच्छे संक्षेपण की विशेषताएं। दिए हुए अनुच्छेद का संक्षेपण करना तथा उसका उपयुक्त शीर्षक देना।

ब - पल्लवन की अवधारणा एवं अच्छे पल्लवन की विशेषताएं। दी हुई सूक्तियों में से किसी एक को पल्लवित करना।

इकाई पाँच : हिन्दी भाषा में अशुद्धि संशोधन 10 अंक

आधार पाठ्य पुस्तकें :

(1) व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण और वार्तालाप,
लेखक : चतुर्भुज सहाय, अरूण चतुर्वेदी,
प्रकाशक : केन्द्रीय हिंदी संस्थान, संस्थान मार्ग, आगरा - 5, उत्तर प्रदेश।

(2) व्यावहारिक हिन्दी संरचना और अभ्यास,
लेखक : रामलाल शर्मा, अरूण चतुर्वेदी, राजबली पाठक,

प्रकाशक : केन्द्रीय हिंदी संस्थान, संस्थान मार्ग, आगरा - 5, उत्तर प्रदेश।

अ - हिन्दी की वर्णिम व्यवस्था। हिंदी - वर्तनी के नियम। हिंदी में उच्चारणगत और वर्तनीगत अशुद्धियों के प्रमुख कारण - प्रकार तथा उन्हें शुद्ध करना यथा :

1. वर्ण रचना की जानकारी न होने कारण होनेवाली अशुद्धियाँ तथा उन्हें शुद्ध करना।
2. वर्तनी और लेखन पद्धति का ज्ञान न होने के कारण होनेवाली अशुद्धियाँ तथा उन्हें शुद्ध करना।
3. ध्वनियों में ह्रस्व-दीर्घ, अल्पप्राण-महाप्राण, श-ष-स, य-ज, ड़-ढ़, ऐ-ओ, ऋ-र, अनुस्वार (ं) और अनुनासिकता (ँ) तथा रेफ (र्) का प्रयोग, ध्वनियों का लोप-आगम एवं विपर्यय आदि के ज्ञान के अभाव में होने वाली तत्संबधी उच्चारणगत एवं वर्तनीगत अशुद्धियाँ तथा उन्हें शुद्ध करना।
4. कम प्रचलित शब्द की वर्तनी का अभ्यास न होने के कारण होने वाली वर्तनीगत अशुद्धियाँ तथा उन्हें शुद्ध करना।

ब - शब्दगत एवं वाक्यगत अशुद्धियों के प्रमुख कारण और उन्हें शुद्ध करना :

1. हिन्दी शब्द-रचना प्रक्रिया के अंतर्गत होने वाले ध्वनि परिवर्तन (यथा उपसर्ग और प्रत्ययका संयोग, लिंग और वचन में परिवर्तन, अकर्मक-सकर्मक एवं प्रेरणार्थक क्रिया का परस्पर रूपान्तरण के अंतर्गत होने वाले ध्वनि परिवर्तन) के नियमों की जानकारी के अभाव में होनेवाली अशुद्धियाँ एवं उन्हें शुद्ध करना।
2. हिन्दी शब्दों में ई, ए, यी, ये, ए का प्रयोग, जैसे नया, नयी, नई, नये, लिए आदि, से संबधित नियम।
3. हिन्दी में शब्दों रूपों के स्तर पर होनेवाली अशुद्धियाँ तथा उन्हें शुद्ध करना।
4. हिन्दी में वाक्य स्तर पर होनेवाली अशुद्धियाँ : पदक्रम एवं अन्वित के नियमों की जानकारी न होने के कारण होनेवाली अशुद्धियाँ तथा वाक्यों को शुद्ध करना।
5. हिंदी में विराम चिह्न और उनके प्रयोग।

Unitwise Format & Division of Marks :

T.D.C-3rd SEMESTER-MIL-HINDI : 201 : HINDI BHASHA AUR RACHANA

	परीक्षार्थी द्वारा हल किए जाने वाले दीर्घ उत्तरीय प्रश्न एवं उनके निर्धारित अंक	परीक्षार्थी द्वारा हल किए जाने वाले लघूत्तरीय प्रश्न एवं उनके निर्धारित अंक	परीक्षार्थी द्वारा हल किए जाने वाले अति लघूत्तरीय प्रश्न उनके निर्धारित अंक	योग
इकाई क्रमांक				
इकाई - एक	1 x 10 = 10 अंक		--	= 10 अंक
इकाई - दो	1 x 10 = 10 अंक		--	= 10 अंक
इकाई - तीन	1 x 10 = 10 अंक		--	= 10 अंक
इकाई - चार	--	2 x 05 = 10 अंक		= 10 अंक
इकाई - पाँच	--		5 x 02 = 10 अंक	= 10 अंक
कुल योग	3 x 10 = 30 अंक	2 x 05 = 10 अंक	5 x 02 = 10 अंक	= 50 अंक

निर्देश :

- पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
- परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों को उत्तर लिखने होंगे। प्रश्नपत्र का स्वरूप निम्नलिखित होगा :

क : निबंधात्मक अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 3 x 10 = 30 अंक

- इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो और इकाई क्रमांक तीन से कम से कम दो - दो निबंधात्मक प्रश्न दिये जायेंगे।

परीक्षार्थी को प्रत्येक से एक - एक प्रश्न का उत्तर देते कुल तीन निबंधात्मक या दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न 10 अंकों का होगा। इस प्रकार कुल तीन निबंधात्मक अथवा दीर्घउत्तरीय प्रश्न = 3 x 10 = 30 अंक।

ख : लघूत्तरीय प्रश्न 2 x 05 = 10 अंक

- इकाई चार के प्रत्येक खण्ड से से दो-दो लघूत्तरीय प्रश्न देते हुए कुल चार लघूत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को प्रत्येक खण्ड से एक - एक लघूत्तरीय प्रश्न का उत्तर देते हुए कुल दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न 5 अंकों का होगा। इस प्रकार कुल दो लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 05 = 10 अंक

ग : अतिलघूत्तरीय प्रश्न 5 x 02 = 10 अंक

इकाई पाँच से दस अतिलघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को पाँच लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक अतिलघूत्तरीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। इसप्रकार कुल दस अतिलघूत्तरीय प्रश्न 5 x 02 = 10 अंक।

संदर्भ ग्रंथ :

1. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण और वार्तालाप : चतुर्भुज सहाय एवं अरुण चतुर्वेदी
   प्रकाशक - केन्द्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा - 282005 (उ०प्र०)
2. व्यावहारिक हिंदी संरचना और अभ्यास : स० चतुर्भुज सहाय, अरूण चतुर्वेदी
   प्र० केन्द्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा - 282005 (उ०प्र०)
3. व्यावहारिक हिंदी संरचना और अभ्यास : प्र० स० महावीर सरन जैन, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।
4. मानक हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण : रमेश मेहरेत्रा : वाणी प्रकाशन दिल्ली।
5. औपचारिक पत्र लेखन : ओमप्रकाश सिंहल : किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. प्रशासनिक पत्राचार : सं डॉ० सुरेश कुमार, केन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा।
7. पत्रव्यवहार निर्देशिका : डॉ० भोलानाथ तिवारी / विजय कुलश्रेष्ठ, वाणी प्रकाशन दिल्ली।
8. कार्यालयी हिंदी : डॉ० प्रमथ नाँथ मिश्र, अयन प्रकाशन, मेहरोली।
9. राजभाषा कार्यालय सहायिका :डॉ० प्रमथनाथ मिश्र, अयन प्रकाशन, 1/20 मेहरोली, नई दिल्ली।
10. सरल निबंध लेखन : राजेश शर्मा, वाणी प्रकाशन, 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली।
11. व्यावसायिक हिंदी : सं० रहमतुल्लाह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. व्यायसायिक संप्रेषण : अनुपचंद भामा जी, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।

4th SEMESTER
टी. डी. सी. चतुर्थ सेमेस्टर

401 : HINDI AUR USKI PRAMUKH VIDHAEIN
हिंदी और उसकी प्रमुख विधाएँ

Full Marks : 50
Pass Marks : 17
Time : 2 hours
पूर्णांक - 50 अंक
समय - दो घंटे

इकाई एक : हिन्दी भाषा और उसके रूप 10 अंक

- हिन्दी भाषा और उसके विकास का सामान्य परिचय।
- हिन्दी और उसकी प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय।
- हिन्दी भाषा के विविध रूपों का सामान्य परिचय, विशेषताएँ एवं उनका महत्व यथा : राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, मानक भाषा।

इकाई दो : गद्य की प्रमुख विधाएं 10 अंक

कहानी, उपन्यास, निबंध, एकांकी : परिभाषा, विशेषताएं एवं तत्व।

इकाई तीन : हिन्दी गद्य 10 अंक

नोट : इस इकाई से केवल पाठ केन्द्रित प्रश्न ही पूछे जायेंगे।
पाठ्य पुस्तक : गद्य-गौरव सं० उर्मिला मोदी
प्रकाशक : विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी - 221001 (यू०पी०)

निर्धारित पाठ :

1. सुजान भगत (कहानी)	: श्री प्रेमचंद
2. भारतीय संस्कृति (लेख)	: डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
3. राजभाषा और राष्ट्रभाषा (लेख)	: आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
4. कर्तव्य और सत्यता (लेख)	: डॉ० श्यामसुन्दर दास
5. शिवाजी का स्वरूप (एकांकी)	: सेठ गोविन्ददास
6. डॉ० चंद्रशेखर वेंकट रामन् (जीवनी)	: डॉ० प्रेमनारायण टंडन

इकाई चार : हिन्दी काव्य 10 अंक

नोट : इस इकाई से केवल पाठ केन्द्रित प्रश्न ही पूछे जायेंगे।
पाठ्य पुस्तक : 'काव्य सौरभ' सं० - पुरुषोत्तम मोदी
प्रकाशक : विश्वविद्यालय प्रकाश, चौक, वाराणसी - 221001 (यू०पी०)

निर्धारित पाठ :

1. विद्यापति : प्रारम्भिक दो पद : राधा की दूती और कृष्ण की दूती।
2. कबीर दास : केवल तीन पद - 1. संतो आई ज्ञान की आँधी, 3. मन ना रँगाए रँगाए जोगी कपरा,

4. ना जाने साहब कैसा है।
3. तुलसीदास : राम वन गमन से पद संख्या 5 से 9 = कुल 05 कवित्त।
4. बिहारी से दोहा संख्या - 1, 4, 7, 10, 11, 17, = 06 दोहे।
5. मैथिली शरण गुप्त : मातृभूमि शीर्षक कविता।
6. प्रसाद : भारतवर्ष, बीती विभारी जाग री शीर्षक कविताएँ।
7. निराला : विधवा शीर्षक कविता।
8. दिनकर : गगन का चाँद शीर्षक कविताएँ।
9. अज्ञेय : नदी के द्वीप शीर्षक कविता।

इकाई पाँच - रस,छंद और अलंकार 10 अंक

1. **रस एवं छंद :** रसों का सामान्य परिचय।
2. **छंद :** अर्थ और प्रकार। चौपाई, दोहा, सोरठा, कवित्त और सवैया छंद के लक्षण तथा उदाहरण।
3. **अलंकार :** अलंकार और उनके प्रमुख प्रकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, एवं अन्योक्ति के लक्षण और उदाहरण।

निर्देश :

- पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है। प्रत्येक इकाई के लिए 10 अंक निर्धारित है।
- परीक्षार्थी को सभी इकाइयों से प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रश्नपत्र का स्वरूप निम्नलिखित होगा :

क : निबंधात्मक अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 3 x 10 = 30 अंक

इकाई क्रमांक एक, इकाई क्रमांक दो और इकाई क्रमांक तीन से कम से कम दो दो प्रश्न निबंधात्मक प्रश्न दिये जायेंगे परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक एक प्रश्न का उत्तर देत कुल तीन निबंधात्मक या दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक निबंधात्मक प्रश्न 10 अंकों का होगा। कुल तीन निबंधात्मक अथवा दीर्घउत्तरीय प्रश्न 3 x 10 = 30अंक।

ख : लघुत्तरीय प्रश्न 2 x 05 = 10 अंक।

इकाई चार से निर्धारित पाठों पर केन्द्रित चार लघूत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे। परीक्षार्थी को उनमें से किन्हीं दो लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक लघूत्तरीय प्रश्न 5 अंकों का होगा। इस प्रकार कुल दो लघूत्तरीय प्रश्न = 2 x 05 = 10अंक।

ग : अतिलघूत्तरीय प्रश्न 5 x 02 = 10 अंक।

इकाई पाँच से दस अतिलघूत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे। परीक्षार्थी को पाँच लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक अतिलघूत्तरीय प्रश्न 02 अंकों का होगा। इसप्रकार कुल दस अतिलघूत्तरीय प्रश्न = 5 x 02 = 10अंक।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. साहित्य विधाओं की प्रकृति : डॉ० देवी शंकर अवस्थी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

4. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
5. आधुनिक हिन्दी कविता : विश्वनाथ तिवारी, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
6. कविता और संवेदना : विजयबहादुर सिंह : रामकृष्ण प्रकाशन, विदिशा, म०प्र०।
7. प्रसाद, निराला, अज्ञेय : डॉ० रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, द्वारा राजकमलप्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिन्दी साहित्य की आधुनिक प्रवृत्तियाँ : डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, द्वारा राजकमलप्रकाशन, नई दिल्ली।
9. अंलकार मुक्तावली : आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, भारती भवन, पटना।
10. काव्यांग कौमुदी : आ० विश्वनाथ प्रसाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
11. शब्द शक्ति विवेचन : डॉ रामलखन गुप्त, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
12. रस अंलकार पिंगल : डॉ० शम्भुनाथ पाण्डेय, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।